ToB बालमंच

मासिक सितम्बर - 2025 नन्हीं कलम से.... ✍

परीक्षा विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

परीक्षा के नाम पर कांप जाते हैं , क्यों ?

प्रधान सम्पादक :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

अंक- 43

सम्पादक :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

प्रधान संपादक की कलम से

प्यारे बच्चों,

"परीक्षा" शब्द सुनते ही मन में उत्साह, उम्मीद और थोड़ी घबराहट — तीनों भाव एक साथ उमड़ पड़ते हैं। परंतु याद रखिए, परीक्षा केवल अंक पाने का माध्यम नहीं, बल्कि यह स्वयं को परखने और निखारने का अवसर है। जीवन में हर अनुभव, हर चुनौती हमें आगे बढ़ने की नई दिशा देता है, और परीक्षा भी उसी सफ़र का एक पड़ाव है।

इस विशेषांक का उद्देश्य यही है कि विद्यार्थी परीक्षा को तनाव नहीं, बल्कि आत्मविश्वास का उत्सव बनाएं। इसमें सम्मिलित लेख, कविताएँ, प्रेरक प्रसंग और सुझाव आपको न केवल बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित करेंगे, बल्कि मनोबल को भी सशक्त बनाएंगे।

सफल वही होता है जो निरंतर प्रयास करता है — परिणाम चाहे जो भी हो, हर कोशिश हमें और मजबूत बनाती है। इसलिए इस परीक्षा सत्र में डर को नहीं, दृढ़ निश्चय को साथ लें; हार को नहीं, अनुभव को अपनाएँ।

आप सभी को शुभकामनाएँ, आपकी मेहनत रंग लाए, और आपकी प्रतिभा नई ऊँचाइयाँ छुए। स्नेह सहित......

रूबी कुमारी

प्रधान संपादक, ToB बालमंच

उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,
खुश रहो....

परीक्षा केवल अंकों की नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और प्रयास की भी परीक्षा होती है। यह हमें अपनी क्षमताओं को पहचानने और निखारने का अवसर देती है। इस "परीक्षा विशेषांक" का उद्देश्य विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास के माध्यम से सफलता की राह दिखाना है।

परीक्षा जीवन का उत्सव है, जहाँ परिश्रम की कलम से भविष्य की कहानी लिखी जाती है। यह भय नहीं, विश्वास की परीक्षा है.....यह हार या जीत नहीं, सीखने की प्रेरणा है।

इस विशेषांक के माध्यम से हम यह संदेश देना चाहते हैं कि असली सफलता वही है, जहाँ आत्मविश्वास और निष्ठा साथ हों।यहाँ हर प्रश्न एक अवसर है, हर प्रयास एक नया आरंभ। आओ, परीक्षा को डर नहीं — एक उत्सव की तरह मनाएँ।

परीक्षा आपकी क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास की परीक्षा है। यह अवसर है अपने भीतर की शक्ति को पहचानने और उसे निखारने का। इस विशेषांक में आपको प्रेरक प्रसंग, अध्ययन सुझाव और उत्साहवर्धक लेख मिलेंगे, जो परीक्षा को डर की जगह सफलता का उत्सव बनाने में मदद करेंगे।

याद रखें — हर प्रयास महत्वपूर्ण है, हर अनुभव बहुमूल्य है। आपकी मेहनत रंग लाए, और आपकी प्रतिभा नई ऊँचाइयाँ छुए।

स्नेह और शुभकामनाओं सहित,

तुम्हारा ही,

त्रिपुरारि राय
संपादक सह ग्राफिक्स डिजाइनर
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादक :- रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

संपादक-सह- ग्राफिक्स डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

सह-संपादक :- ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, (बाँका)

आमुख पृष्ठ सज्जा :- राजेश कुमार, फारबिसगंज कॉलेज (B.Ed विभाग), अररिया

सहयोगकर्ता :-
1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार)
2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया, फारबिसगंज,(अररिया)
3. केशव कुमार, प्र.शि., प्रा.वि.मोहनपुर उर्दू, मुरौल, मुजफ्फरपुर

संरक्षक :-
1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार
2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर

-: स्थाई स्तंभ :-

1. प्रधान सम्पादक की कलम से
2. सम्पादकीय
3. आवरण कथा
4. कविता
5. कहानी
6. हँसो रे बाबू
7. बूझो तो जानें
8. वैज्ञानिक कारण
9. कहानी बनाओ प्रतियोगिता
10. अखबारों की नजर में हम
11. उभरते सितारे
12. तकनीकी कोना
13. बालमन
14. विद्यालयी क्रियाकलाप
15. क्या आप जानते हैं ?
16. अंग्रेजी सीखें
17. ड्राइंग / पेंटिंग
18. उभरते सितारे
19. फोटो ऑफ़ द मंथ
20. हिंदी ज्ञान
21. प्रमुख दिवसें
22. प्रेरक प्रसंग
23. रोचक तथ्य
24. खेल-खेल में योग
25. तुम भी बनाओ.....
26. आपकी बात आपकी जुबानी

प्रेरक प्रसंग

"सफलता का असली रहस्य-परीक्षा"

एक बार एक विद्यार्थी अपनी परीक्षा में असफल हो गया। वह बहुत दुखी था और सोचने लगा कि शायद वह कभी सफल नहीं हो पाएगा। एक दिन वह अपने गुरु के पास गया और बोला, "गुरुजी, मैंने बहुत मेहनत की थी, फिर भी मैं असफल हो गया। अब क्या करूँ?"

गुरुजी मुस्कुराए और उसे बगीचे में ले गए। वहाँ एक बांस का पौधा और एक छोटा फूल का पौधा लगा था। गुरुजी बोले, "मैंने दोनों को एक ही दिन लगाया था। फूल का पौधा कुछ महीनों में ही खिल गया, पर बांस के पौधे ने पाँच साल तक ज़मीन के नीचे ही अपनी जड़ें मजबूत कीं। जब उसकी जड़ें मजबूत हो गईं, तब वह कुछ ही महीनों में बहुत ऊँचा हो गया।"

गुरुजी ने समझाया, "बेटा, तुम्हारी मेहनत भी बांस की तरह है। कभी-कभी परिणाम तुरंत नहीं दिखते, पर हर कोशिश तुम्हारी सफलता की जड़ों को मजबूत करती है। परीक्षा सिर्फ अंक नहीं, बल्कि धैर्य, आत्मविश्वास और प्रयास की परीक्षा है।"

विद्यार्थी ने गुरुजी के शब्दों को दिल से स्वीकार किया, और अगले वर्ष वही छात्र अपनी मेहनत और

शुभकामना सन्देश

प्रिय बालमंच के मित्रों,

परीक्षा का समय न केवल ज्ञान की परीक्षा है, बल्कि हमारी मेहनत, धैर्य और आत्मविश्वास की भी कसौटी है। इस विशेषांक के माध्यम से हम आपको प्रेरित करना चाहते हैं कि आप हर चुनौती का सामना उत्साह और आत्मविश्वास के साथ करें। याद रखिए, सफलता सिर्फ अंक पाने में नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया में भी है।

हमारी शुभकामनाएँ आपके साथ हैं कि आप अपने प्रयासों का सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करें, और परीक्षा के दौरान संयम, धैर्य और सकारात्मक सोच बनाए रखें। मेहनत और लगन से किया गया हर प्रयास निश्चित रूप से सफलता की ओर एक कदम बढ़ाता है।

'ToB बालमंच' की टीम की ओर से आप सभी को परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। पढ़ाई में मन लगाएँ, तनाव मुक्त रहें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ते रहें।

आपके स्वर्णिम शुभकामना सहित.......

अशोक कुमार शर्मा
वरीय सलाहकार,
बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना

ToB School Activity Link......

1. https://teachersofbihar.org/balmanch/august-2025
2. https://share.google/9AtYksXbYNLSnaY8G
3. https://padyapankaj.teachersofbihar.org/aaloo/

आत्मविश्वास से उत्तम सफलता प्राप्त कर गया।

सीख: परीक्षा में असफलता अंत नहीं होती, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक कदम होती है। जो लगातार प्रयास करता है, वही असली विजेता बनता है।

:- मदन मोहन झा, शिक्षक, सहरसा (बिहार)

ऊपर के दोनों छात्र-छात्रा प्राथमिक विद्यालय झनकी घोसवरी के हैं |

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें | उत्कृष्ट कहानी को अगले अंक में छापा जाएगा |कहानी के साथ अपना नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम अवश्य लिखें |

बूझो तो जानें..

1. मैं आता हूँ नोट लेकर, पर मुझे पढ़ना नहीं आता। घड़ी का घबड़ाहट, दिल की धड़कन साथ लाता। कौन हूँ मैं?

उत्तर: परीक्षा के पहले का नर्वसनेस/घबराहट (या परीक्षा का तनाव)

2. चाहूँ जितना भी पढ़ो, जब मैं आ जाऊँ तो समय भाग जाता है; प्रश्नों के आगे हाथ थम जाता है। बताओ मैं कौन?

उत्तर: परीक्षा का समय/समयसीमा

हंसो रे बाबू

1. टीचर –पेपर इतना आसान था कि हर सवाल के चार जवाब थे।

स्टूडेंट –हाँ सर,मैंने भी चारों लिख दिए…ताकि एक तो सही निकले!

2. परीक्षा के बाद दोस्त बोले – "पेपर कैसा गया?

दूसरा बोला –"बहुत बढ़िया! सारे सवाल देखे थे.......पढ़े नहीं थे बस !

क्या आप जानते हैं?

1. प्रश्न: क्या आप जानते हैं कि पृथ्वी का सबसे बड़ा महासागर कौन सा है?

उत्तर: प्रशांत महासागर।

2. प्रश्न: क्या आप जानते हैं कि इंसान का सबसे बड़ा अंग कौन सा है?

उत्तर: त्वचा।

3. प्रश्न: क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे ऊँची चोटी कौन सी है?

उत्तर: माउंट एवरेस्ट।

4. प्रश्न: क्या आप जानते हैं कि हमारे शरीर में कितनी हड्डियाँ होती हैं?

उत्तर: जन्म के समय लगभग 270 हड्डियाँ होती हैं, पर वयस्क होने पर यह संख्या लगभग 206 हो जाती है।

5. प्रश्न: क्या आप जानते हैं कि सूरज की तुलना में चाँद कितना बड़ा है?

उत्तर: चाँद सूरज से बहुत छोटा है; इसका व्यास सूरज का लगभग 1/400 है।

अंग्रेजी सीखें: ADJECTIVE

INDEFINITE ADJECTIVE

An **indefinite adjective** describes or modifies a noun unspecifically. They provide indefinite/unspecific information about the noun. The common indefinite adjectives are *few, many, much, most, all, any, each, every, either, nobody, several, some,* etc.

Examples:

- I gave some candy to her.
- I want a few moments alone.

ARTICLE

Articles also modify the nouns. So, articles are also adjectives. Articles determine the specification of nouns. 'A' and 'an' are used to refer to an unspecific noun, and 'the' is used to refer to a specific noun.

Examples:

- A cat is always afraid of water. (Here, the noun 'cat' refers to any cat, not specific.)

COMPOUND ADJECTIVE

When compound nouns/combined words modify other nouns, they become a compound adjective. This type of adjective usually combines more than one word into a single lexical unit and modifies a noun. They are often separated by a hyphen or joined together by a quotation mark.

Example:

- I have a broken-down sofa.
- I saw a six-foot-long snake.

*****

प्राथमिक विद्यालय हासिमपुर बालक, बरारी, कटिहार के बच्चों द्वारा पिस्ता के छिलकों से बहुत ही सुंदर फिश एक्वेरियम बनाया गया।

महत्वपूर्ण दिवस

1 सितम्बर	विश्व पत्राचार दिवस
2 सितम्बर	विश्व नारियल दिवस
3 सितम्बर	स्काउट्स डे
5 सितम्बर	शिक्षक दिवस डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन पर
7 सितम्बर	विश्व क्षमा दिवस
8 सितम्बर	अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस
10 सितम्बर	विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस
15 सितम्बर	इंजीनियर्स डे, मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी की जयंती
16 सितम्बर	विश्व ओज़ोन दिवस
17 सितम्बर	विश्व रोगी सुरक्षा दिवस
18 सितम्बर	विश्व बाँस दिवस
21 सितम्बर	अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस
22 सितम्बर	विश्व गैंडा दिवस
23 सितम्बर	अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस
25 सितम्बर	विश्व फार्मासिस्ट दिवस
26 सितम्बर	विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस
27 सितम्बर	विश्व पर्यटन दिवस
29 सितम्बर	विश्व हृदय दिवस
30 सितम्बर	अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस

हिंदी ज्ञान: पत्र – लेखन

परीक्षा में सफलता पर अपने मित्र को एक बधाई पत्र लिखो |

14 सितम्बर, 2025
स्थान: पटना

प्रिय मित्र रवि,

सप्रेम नमस्कार।

यह जानकर बहुत खुशी हुई कि तुमने अपनी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। तुम्हारी इस सफलता की खबर सुनकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। तुम्हारी मेहनत, लगन और नियमित अध्ययन का यह सुंदर परिणाम है। तुमने न केवल अपने परिवार, बल्कि अपने सभी मित्रों का भी नाम रोशन किया है।

मुझे विश्वास है कि तुम भविष्य में भी इसी प्रकार आगे बढ़ते रहोगे और जीवन में नई-नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करोगे। तुम्हारी सफलता मेरे लिए भी प्रेरणा का स्रोत है।

ईश्वर से यही प्रार्थना है कि तुम्हें सदैव सफलता और सुख प्राप्त हो। शीघ्र ही तुमसे मुलाकात की आशा में।

तुम्हारा मित्र,
अमित

राजकीय संत विनोवा उ.मा.वि. तिनटंगा दियारा, रंगरा चौक, भागलपुर के बच्चों के द्वारा रंगीन कागजों से बनाया गया खूबसूरत गुलाब का फूल

आओ योग सीखें.....

परीक्षा के समय कौन-कौन से योग फायदेमंद हैं ?

परीक्षा के समय योगाभ्यास (Yoga Practices) करने से मन शांत रहता है, याददाश्त बढ़ती है और एकाग्रता बनी रहती है। नीचे दिए गए योगासन और प्राणायाम विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है......

परीक्षा के समय करने योग्य योगाभ्यास:-

1. ताड़ासन: यह आसन शरीर में रक्तसंचार बढ़ाता है, थकान कम करता है।

कैसे करें: सीधे खड़े होकर हाथों को ऊपर उठाएँ और एड़ियों को ऊपर करें। गहरी साँस लें और छोड़ें।

2. वृक्षासन: यह आसन ध्यान और संतुलन बढ़ाता है।

कैसे करें: एक पैर पर खड़े होकर दूसरे पैर को जांघ पर रखें, हाथों को नमस्कार मुद्रा में सिर के ऊपर जोड़ें।

3. पश्चिमोत्तानासन: इस आसन से मानसिक तनाव घटाता है और स्मरण शक्ति को बढ़ाता है।

कैसे करें: पैरों को सामने फैलाकर बैठें, फिर झुककर पैर की उँगलियों को पकड़ें।

4. भुजंगासन: इससे थकान मिटाता है, शरीर में ऊर्जा लाता है।

कैसे करें: पेट के बल लेटें, हथेलियाँ कंधों के पास रखें और सिर व छाती को ऊपर उठाएँ।

5. शवासन: इससे मन को पूर्ण विश्राम देता है, परीक्षा की घबराहट दूर करता है।

कैसे करें: पीठ के बल लेटकर शरीर को ढीला छोड़ दें, आँखें बंद करें और गहरी साँस लें।

प्राणायाम

अनुलोम–विलोम प्राणायाम: इससे एकाग्रता और मानसिक संतुलन बढ़ाता है।

कैसे करें: एक नासिका से साँस अंदर, दूसरी से बाहर। बारी-बारी से करें। ********

वैज्ञानिक कारण

"परीक्षा के नाम पर कांप जाते हैं", क्यों?

"परीक्षा का नाम सुनते ही हम क्यों कांप जाते हैं?" इसका जवाब मनोविज्ञान और हमारे अनुभव दोनों से जुड़ा है। नीचे सरल भाषा में समझिए ....

1. डर का मुख्य कारण – असफलता का भय (Fear of Failure):

हम सभी चाहते हैं कि हमारे अंक अच्छे आएँ, माता-पिता और शिक्षक खुश हों। जब मन में यह सोच बैठ जाती है कि "कहीं मैं फेल न हो जाऊँ" , तो तनाव और डर पैदा हो जाता है।

2. दूसरों से तुलना (Comparison with Others):

अक्सर हम अपनी पढ़ाई की तुलना दोस्तों या सहपाठियों से करते हैं, "वो तो सब याद कर चुका, मैंने अभी तक नहीं किया!" यह तुलना मन में दबाव (pressure) बढ़ा देती है।

3. अधूरी तैयारी (Lack of Preparation):

अगर तैयारी पूरी न हो तो आत्मविश्वास कम हो जाता है। ऐसे में परीक्षा को हम "डर" समझने लगते हैं, "मौका" नहीं।

4. माता-पिता और समाज की उम्मीदें (High Expectations):

कभी-कभी परिवार या समाज का दबाव भी डर का कारण बनता है। बच्चा सोचता है — "अगर कम अंक आए तो सब क्या कहेंगे?"

5. नकारात्मक सोच (Negative Thinking):

हम पहले से ही सोच लेते हैं — "पता नहीं पास हो पाऊँगा या नहीं..." ऐसी सोच दिमाग में डर की लहरें पैदा कर देती है।

तो क्या करें? (How to overcome exam fear):

1. नियमित अध्ययन करें – आखिरी समय पर नहीं।
2. योग और ध्यान करें – मन को शांत रखने के लिए।
3. सकारात्मक सोच रखें – "मैं कर सकता हूँ" दोहराते रहें।
4. परिणाम की चिंता न करें – बस अपनी मेहनत पर भरोसा रखें।
5. आराम और नींद जरूरी है – दिमाग को भी विश्राम चाहिए।

निष्कर्ष: परीक्षा डराने वाली नहीं होती, वह तो हमारे ज्ञान की जाँच का एक अवसर है। अगर हम पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ जाएँ, तो "कांपना" नहीं, "मुस्कुराना" शुरू कर देंगे।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम : सुरक्षित शनिवार

विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्याय निर्णय की कहानी

विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्याय निर्णय की कहानी 5 नवम्बर 2004 से शुरू हुई। यह काला दिन तमिलनाडु के कुंभकोणम के एक सरकारी विद्यालय में आग लगने से 90 बच्चों की मौत से शुरू हुई।

इस आग में श्री अविनाश मल्होत्रा के इकलौते बेटे की भी मृत्यु हो गई। उन्होंने सोचा कि इस अग्निकांड में मेरे बेटे की क्या गलती थी। वह तो बच्चों को मिला अधिकार (शिक्षा का अधिकार) के तहत विद्यालय में शिक्षण ग्रहण करने गया था। उन्होंने इसी ऊहापोह की स्थिति के बाद सोच - विचार करके इस निर्णय पर पहुंचा कि स्कूल का जो रखवाला (शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन, प्रधानाध्यक एवं शिक्षक) है सरासर उसी की गलती है। उन्होंने माननीय सर्वोच्च न्यायालय में PIL (Public Interest litigation) जिसे जनहित याचिका भी हिंदी में कहते हैं, दायर किया। 2004 से माननीय सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुआ और 14 अगस्त 2017 **को अंतिम** निर्णय के तदोपरांत स्कूल रखवाले को सजा तो मिली ही साथ में सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित करने का आदेश दिया। इसी आदेश के आलोक में बिहार सर्वप्रथम राज्य आगे आते हुए स्थानीय आपदाओं के परिपेक्ष्य में एक मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम - सुरक्षित शनिवार की विस्तृत गाइडलाइन (पीली रंग की पुस्तिका) तैयार की। इस गाइडलाइन को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और यूनिसेफ पटना के संयुक्त सहयोग से तैयार कर शिक्षा विभाग को भेजा और शिक्षा विभाग ने राज्य सरकार के कैबिनेट मीटिंग में प्रस्तुत कर उसकी स्वीकृति ली । स्वीकृति उपरांत राज्य सरकार के साथ - साथ इस कार्यक्रम के सभी हितधारक संकल्पित हो गए की इस कार्यक्रम को हर हाल में क्रियान्वित करना ही होगा। इस स्वीकृत गाइडलाइन के अनुसार सभी हितधारकों की भूमिका भी निर्धारित की गई, अगर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं करते तो पूरी गुंजाइश है कि कोई भी अभिभावक PIL दायर कर सकते है। ऐसे इस कार्यक्रम का उदघाटन स्थानीय गांधी मैदान, पटना में माननीय मुख्यमंत्री महोदय, श्री नीतीश कुमार के द्वारा 3 जुलाई 2015 में हुआ था। 2015 से 2017 के बीच में 1 जुलाई से 15 जुलाई तक विद्यालय सुरक्षा जागरुकता पखवाड़ा और 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस यानी कुल सालभर में 15 दिनों का ही प्रोग्राम हुआ करता था। उस समय इसका नाम केवल मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम था, 2017 में सुरक्षित शनिवार (वार्षिक सारणी/ वैगन व्हील प्रत्येक शनिवार को एक आपदा को समयानुसार चिन्हित कर आयोजित कर तैयार किया गया) कार्यक्रम के तीन घटकों में एक घटक (Component) के रूप में जोड़ा गया।

आप सभी लोगों से अनुरोध है कि गाइडलाइन में वर्णित जिम्मेदारियों का निर्वहन करें ताकि PIL दायर की नौबत ना आ सके। गाइडलाइन को BSDMA.ORG वेबसाइट पर जाकर document सेक्शन से डाउनलोड कर सकते हैं।

धन्यवाद

बेबी कुमारी, वर्ग-7, म. वि. भनरा, चन्दन (बांका)

जय माँ दुर्गा
नमो नमः

International Daughters Day

जरूरी नहीं रौशनी चिरागों से ही हो,
बेटियाँ भी घर में उजाला करती हैं।
अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस

Save girl child

ॐ जय ॐ
माँ
दुर्गा
नीतू रानी
पूर्णियाँ
बिहार

अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस
बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ

AVOID
NO SMOKING
WASH YOUR HAND
DRINKING LOTS OF WATER
STAY SAFE
REGULAR HEALTH
DO YOGA

Don't Waste Food
Eat Fruits & Vegetables
Cook Properly

दुर्गापूजा

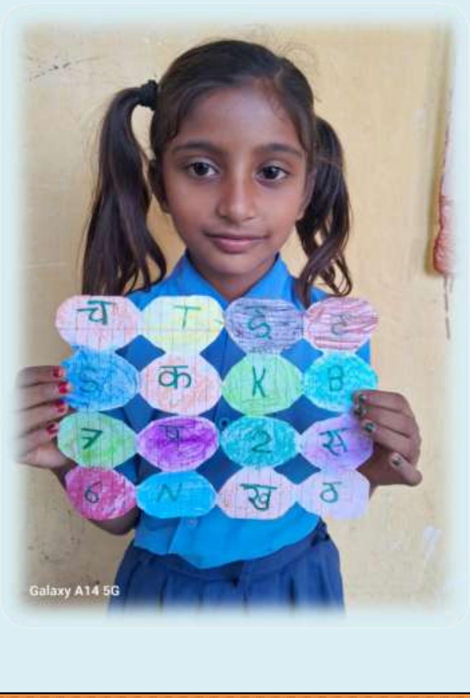
Galaxy A14 5G

एक पेड़ माँ के नाम
Galaxy A14 5G

अखबारों के नजरों में हम .....

सड़क और रेल दुर्घटनाओं से बचाव को लेकर छात्रों को किया गया जागरूक

स्वरचित कविता से बच्चों को सुरक्षा के महत्व का अहसास कराया गया

बिहार कथा / पूर्वी चंपारण

सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत एन.पी.एस. साहू टोला, बाँध के निकट जमुनिया में सड़क और रेल दुर्घटनाओं से बचाव पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रधान शिक्षिका वंदना कुमारी ने किया। उन्होंने बच्चों को ट्रैफिक नियमों और विभिन्न संकेतकों की जानकारी टीएलएम के माध्यम से दी। उन्होंने समझाया कि वाहन चलाते समय बिना हेलमेट घर से न निकलें तथा सड़क पार करते समय हमेशा सावधानी बरतें। साथ ही बच्चों को यह भी बताया गया कि छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। कार्यक्रम में वंदना कुमारी ने अपनी स्वरचित कविता भी प्रस्तुत की, जिसे बच्चों ने काफी सराहा और तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर उपस्थित शिक्षकगण भी विशेष रूप से उत्साहित दिखे और बच्चों को सुरक्षा संबंधी बातों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

epaper
हिन्दुस्तान

Share | Copy url | Save | Font Size | D'load Image | Image | Text | Listen

शनिवार को आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया में माकड्रिल करते शिक्षक व बच्चे ।

सड़क सुरक्षा व यातायात नियम की दी गई जानकारी

दिघलबैंक। मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में बच्चों को सड़क सुरक्षा सहित यातायात के नियमों से संबंधित जानकारियां दी गई। इस दौरान आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया के फोकल शिक्षक राजेश कुमार सिंह तथा प्राथमिक विद्यालय उत्तर कुढ़ेली के प्रधान शिक्षक विक्रम मिश्रा ने चेतना सत्र के दौरान बच्चों को सड़क दुर्घटनाओं और उसके बचाव को लेकर बतलाते हुए कहा कि आज कल प्रायः रोज कहीं न कहीं सड़कों पर दुर्घटनाएं होती रहती है। अगर हम सड़क पर चलते समय यातायात नियमों का पालन करें तो दुर्घटना की संभावना कम हो जाती है और दुर्घटना से बचा जा सकता है। हमें सड़क पार करते समय विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए।

www.jagran.com

सड़क व रेल दुर्घटनाओं से बचाव की बच्चों को दी गई जानकारी

संवाद सूत्र, जागरण, दिघलबैंक (किशनगंज): दिघलबैंक प्रखंड के अंतर्गत आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत शिक्षक राजेश कुमार सिंह ने सड़क व रेल दुर्घटना के बचाव के संबंध में जानकारी दी। इसका पूर्वाभ्यास भी कराया गया। बच्चों को बताया गया कि सड़क रेल दुर्घटना से बचने के लिए हमेशा बायीं ओर सड़क पर चले । ट्रैफिक सिग्नल नियम का पालन करें। अगर रेलवे का फाटक लगा हो तो पैदल पार ना करें। उसे खुलने का इंतजार करें। जबतक हरे रंग का सिग्नल ना मिले रास्ता ना पार करें। सहित अन्य जानकारियां दी गई। मौके पर विद्यालय के शिक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद, ममता कुमारी, वंदना कुमारी थीं।

जानकारी • सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत शिक्षक ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

थोड़ी सी सावधानी और सजगता से रोके जा सकते हैं सड़क हादसे

भास्कर न्यूज | दिघलबैंक (किशनगंज)

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम सुरक्षित शनिवार के तहत प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में बच्चों को सड़क व रेल दुर्घटनाओं से बचाव को लेकर जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के तहत आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिय ा,सोहन मध्य विद्यालय तुलसिया, उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय गन्धर्वडांगा, सहित अन्य विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान नामित फोकल शिक्षकों ने सड़क दुर्घटना से बचाव की जानकारी बच्चों को दी।

साथ ही बच्चों से सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन कराने को लेकर मॉक ड्रिल भी करवाया गया। आदर्श मध्य विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक सह फोकल शिक्षक राजेश कुमार सिंह ने सड़क दुर्घटना और उसके बचाव को लेकर बच्चों को जागरूक करते हुए बताया कि सड़क नियमों का पालन नहीं करने एवं छोटी सी गलती या लापरवाही से लोग रोज कही न कही दुर्घटना के शिकार हो रहें हैं। क्योंकि ऐसा देखा गया है कि लोग सुरक्षा नियमों का सही से पालन नहीं करते। उन्होंने कहा कि सड़क चलते एवं वाहन चलाते समय थोड़ी सी सावधानी एवं सजग रहने से सड़क दुर्घटनाओं को बहुत हद तक रोका जा सकता हैं।

आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया में सड़क दुर्घटनाओं से बचाव को लेकर मॉक ड्रिल करते बच्चे।

बच्चों को दी गई सड़क सुरक्षा की जानकारी

उन्होंने कहा कि सड़क पार करते समय पहले दाएं फिर बाएं फिर दाएं देखकर ही सड़क पार करें,जेब्रा लाइन से ही सड़क पार करें, नशे की हालत में गाड़ी कभी न चलायें, ट्रैफिक नियमों और संकेतों का पालन करें, दरवाजा खोलते समय सावधानी बरतें, गाड़ी चलाते समय शांत दिमाग से एवं धैर्यपूर्वक चलाएं, रेल फाटक पार करते समय रेलवे लाइन के दोनों ओर देखकर ही ध्यान से पार करें, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, खासकर युवाओं को वाहन चलाते समय सेल्फी नहीं लेने एवं वाहन के साथ किसी भी तरह का जोखिम भरा स्टैंड नहीं करने,इसके अलावे बच्चों को सड़क किनारे खेलने से रोकने छोटे बच्चों को व्यस्त सड़कों पर साइकिल न चलाने देने। विद्यालयों के गेट के पास स्पीड ब्रेकर अवश्य बनवायें, उन विद्यालयों के गेट के हमेशा बन्द रखें जो मुख्य सड़क पर खुलते है इसके अलावे बाइक चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनने आदि जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने दुर्घटनाओं से बचाव को लेकर बाइक चलाते समय हेलमेट पहनने की को लेकर यमराज के रूप में नुक्कड़ नाटक, गीत द्वारा मॉक ड्रिल किया। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यालयों में फोकल शिक्षक के साथ विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

Date: 30 Sep,2025
Cert. No.: 69ca33fa-9a8b-4afe-b99c-27bda7826af9

ToB उभरते सितारे

बालमंच

प्रशस्ति पत्र

NargisKhatoon

PS HASIMPUR BALAK, Barari, Katihar,

को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैग्जीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं PAINTING.............. ' के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।

भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।

रूबी कुमारी
प्रधान संपादिका,बालमंच

त्रिपुरारि राय
संपादक एवं क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच

शिव कुमार
संस्थापक

www.teachersofbihar.org

THANK YOU